SANSCO SERVICES Annual Reports Library Services www.sansco.net

वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2005 - 2006

इंडियन बैंक
Indian Bank
(Wholly owned by Govt. of India)

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

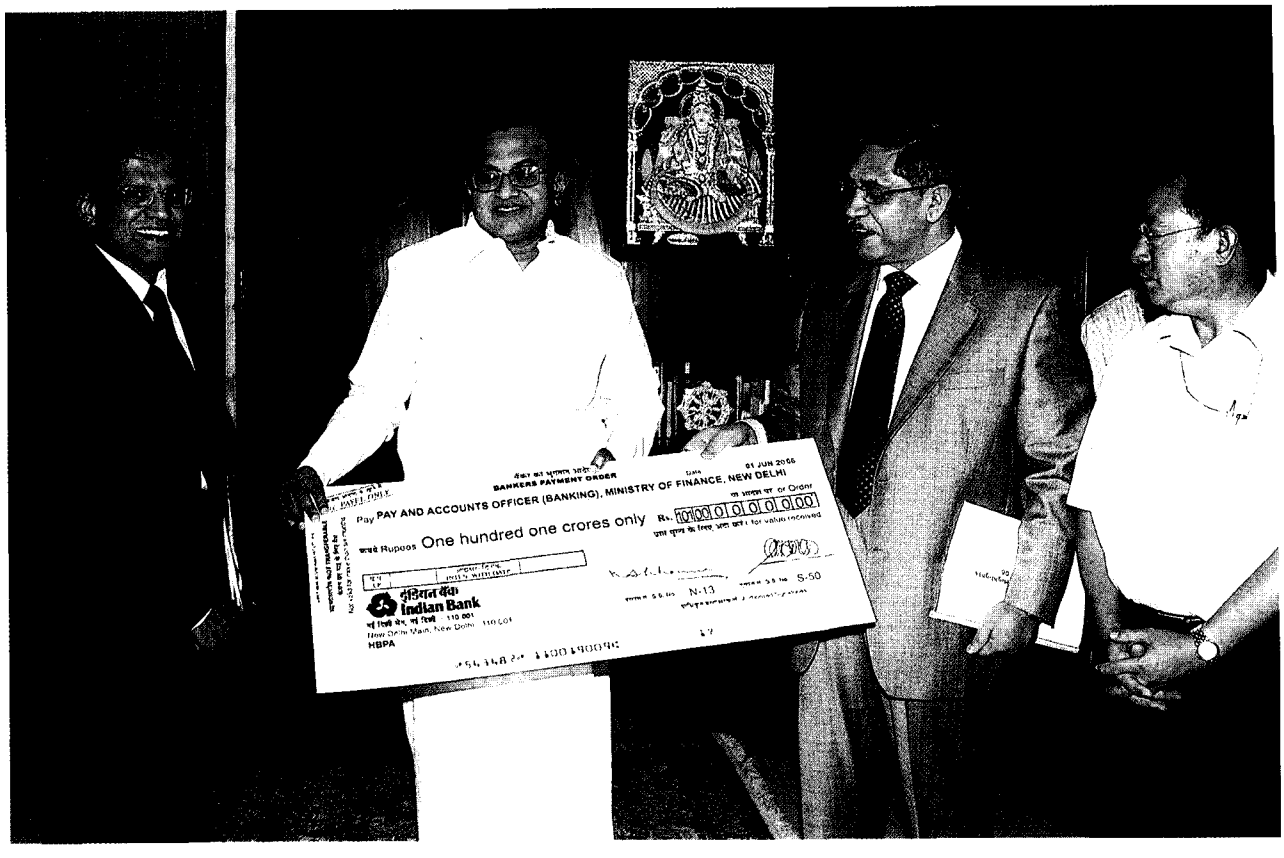

डा. के. सी चकबर्ती, अ.प्र.नि., रुपये 101 करोड़ का लाभांश चेक
संघ के माननीय वित्त मंत्री श्री पी. चिदम्बरम को प्रदान करते हुए

Dr. K.C. Chakrabarty CMD handing over the dividend cheque of Rs.101 crore to Hon'ble Union Finance Minister P. Chidambaram

गवर्नर भा.रि.बैंक डॉ. वाई वी रेड्डी, श्री एन. रंगास्वामी, माननीय मुख्यमत्री पांडिच्चेरी, सं.शा.क्षे और अ.प्र.नि. के साथ एनपीपीएफआई पर विचार–विमर्श करते हुए

Dr. Y V Reddy, Governor RBI discussing with Shri. N. Rangaswamy,Hon'ble Chief Minister, U.T. of Pondicherry and CMD on NPPFI

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

इंडियन बैंक
Indian Bank

निदेशक मण्डल
Board of Directors

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
Chairman & Managing Director

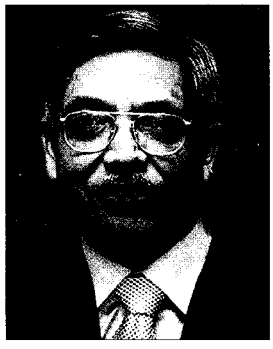

के.सी. चक्रबर्ती
K C CHAKRABARTY

कार्यपालक निदेशक
Executive Director

एम.एस. सुंदर राजन
M S SUNDARA RAJAN

निदेशक / Directors

राम मोयवा
RAM MUIVAH

एस. करुप्पसामी
S. KARUPPASAMY

ए. एक्स. जॉर्ज
A.X. GEORGE

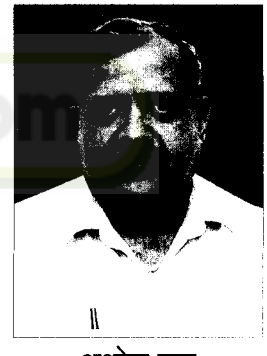

अशोक गुप्ता
ASHOK GUPTA

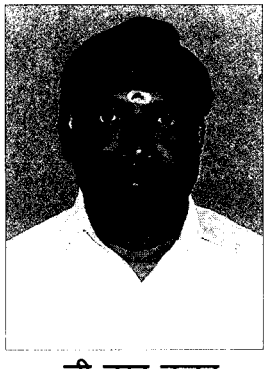

जी चरत् चन्द्रन
G.CHARATH CHANDRAN

नफ़ीज़ा अली सोढ़ी
NAFIZA ALI SODHI

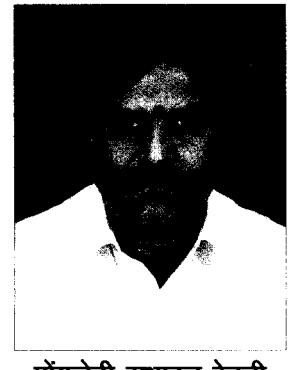

पोंगुलेटी सुधाकर रेड्डी
PONGULETI SUDHAKAR REDDY

वर्ष 2005-06 **के दौरान निम्नलिखित निदेशकों ने भी निदेशक मंडल में अ प्र.नि/का.नि/निदेशक के रूप में सेवा की/**

1 **श्री एम..बी एन. राव (अ प्र नि)** 2 **श्री बी. साम्बमूर्ती (का नि)** 3 **श्री रबी एन मिश्रा(निदेशक)**

During the year 2005-06, the following directors also served on the Board as CMD / ED / Director of the Bank.

1. Sri.M.B.N. Rao, (CMD) (upto 08.06.2005)
2. Sri.B. Sambamurthy (ED) (upto 31.03.2006)
3. Sri. Rabi N Mishra (Director) (upto 02.10.2005)

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

इंडियन बैंक
Indian Bank

महा प्रबंधक / General Managers

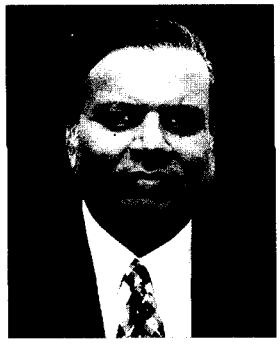

डॉ. जयन्ती लाल जैन
Dr. JAYANTI LAL JAIN

वी. संतानरामन
V. SANTHANARAMAN

एस. आर. शिवस्वामी
S.R. SHIVASWAMY

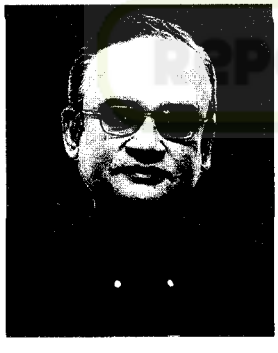

वी. श्रीनिवासन
V. SRINIVASAN

कृष्णमूर्ति कोटा
KRISHNA MURTHY KOTA

एस. सूर्यनारायणन
S. SURYANARAYANAN

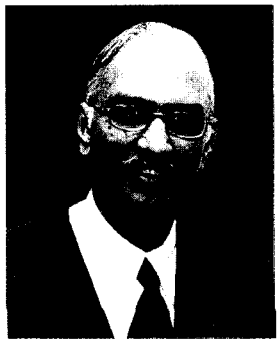

सी.एस. रमणी
C.S. RAMANI

ए विश्वनाथन
A. VISWANATHAN

जग मोहन गर्ग
JAG MOHAN GARG

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

इंडियन बैंक
Indian Bank

महा प्रबंधक / General Managers

आर रामचन्द्रन
R. RAMACHANDRAN

के बी नागेन्द्र मूर्ति
K.B. NAGENDRA MURTHY

के एम गोपीनाथ
K.M. GOPINATH

सी गजपतिराजन
C. GAJAPATHIRAJAN

पी आर बालसुब्रमणियम
P.R. BALASUBRAMANIAM

आर विजय राम राव
R. VIJAYA RAMA RAO

सदानन्द मिश्र
SADANAND MISRA

एस के बंद्योपाध्याय
S.K. BANDYO PADHYAY

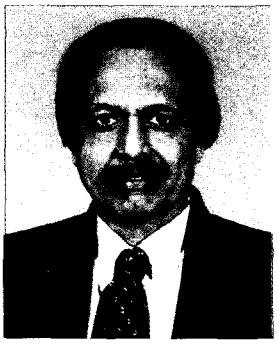

एम दामोदर कामत
M.DAMODAR KAMATH

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशकों की रिपोर्ट 2005–2006

बैंक का निदेशक मंडल 31मार्च 2006 को समाप्त वर्ष के लिए बैंक की वार्षिक रिपोर्ट के साथ लेखा परीक्षित तुलन पत्र और लाभ एवं हानि लेखा को प्रस्तुत करते हुए हर्ष का अनुभव कर रहा है। बैंक ने अपने निष्पादन में सुधार लाते हुए 504.48 करोड़ रुपये का निवल लाभ अर्जित किया है, जिसमें गत वर्ष की तुलना में 23.50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है ।

आर्थिक वातावरण

केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन के संशोधित आकलन के अनुसार वर्ष 2004–05 के 7.5 प्रतिशत की तुलना में सकल देशी उत्पाद वद्धि वर्ष 2005–06 में बढ़कर 8.4 प्रतिशत रही। 2005–06 के दौरान उर्जा उत्पादन, खनन और कृषि को छोड़कर अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों ने अच्छा प्रदर्शन किया। 5 प्रतिशत या उससे ऊपर की वृद्धि को दर्शानें वाले क्षेत्र है– 'विनिर्माण'(9.0 प्रतिशत), 'विद्युत, गैस एवं जल आपूर्ति'(5.3 प्रतिशत), 'निर्माण (12. 1 प्रतिशत), 'व्यापार, होटल, परिवहन एवं संचारण (11.5 प्रतिशत),' वित्तीयन, बीमा, भू–संपदा, एवं व्यापारिक सेवाएं'(9.7 प्रतिशत) और 'समुदाय, सामाजिक एवं वैयक्तिक सेवाएं' (7.8 प्रतिशत)।

निर्माण और सेवा क्षेत्र गतिविधियों में उछाल और सकारात्मक वाणिज्यिक विश्वास और अपेक्षाएं यह संकेत करती हैं कि अर्थ–व्यवस्था में हाल में की गई वृद्धि में तेजी 2006–07 में भी कायम रहेगी।

वर्ष 2005–06 के दौरान मुद्रास्फीति की दर अच्छी तरह नियंत्रणाधीन रही तथा वर्ष–दर वर्ष थोक बिक्री मूल्य मुद्रास्फीति पिछले वर्ष अंकित की गई 5.7 प्रतिशत की तुलना में 01 अप्रैल 2006 को 3.5 प्रतिशत रही।

वर्ष 2005–06 के दौरान, भारत के निर्यात में वृद्धि की गति लगातार चौथे वर्ष भी बनी रही, तथा इसमें 24.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जबकि गत वर्ष यह वृद्धि 26.4 प्रतिशत थी। पेट्रोलियम, तेल तथा लुब्रिकेन्ट्स (पीओएल) के आयात में वर्ष 2005–06 के दौरान 46.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो अन्तर्राष्ट्रीय कच्चे तेल के मूल्यों में तीव्र वृद्धि के प्रभाव को दर्शाती है। गैर–तेल आयात में वर्ष 2005–06 के दौरान 25.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जबकि 2004–05 में यह वृद्धि 33.3 प्रतिशत दर्ज की गई थी ।

29 दिसंबर, 2005 को 7.1 बिलियन यू एस डॉलर के इंडिया मिलेनियम डिपॉजिट्स (आईएमडी) के शोधन के कारण हुए बहिर्गमन के बावजूद भी 31 मार्च, 2006 को भारत की विदेशी मुद्रा आरक्षित निधि 151.6 बिलियन डॉलर थी जोकि 2005 मार्च समाप्ति के स्तर से 10.1 बिलियन डॉलर अधिक रही।

Directors' Report 2005 - 06

The Board of Directors of the Bank have pleasure in presenting the Annual Report together with the Audited Balance Sheet and Profit & Loss Account of the Bank for the year ended Mar 31, 2006. The Bank has shown improved performance by posting Net Profit of Rs.504.48 crore registering a growth of 23.50% over the previous year.

ECONOMIC ENVIRONMENT

The GDP growth in the year 2005-06 was higher at 8.4 percent as against 7.5 percent in the year 2004-05 in terms of the revised estimates of the Central Statistical Organisation (CSO). During the year 2005-06, all sectors of the economy, barring power generation, mining and agriculture, have performed well. The sectors which showed growth rates of 5 percent or more, are 'manufacturing' (9.0 percent), 'electricity, gas and water supply' (5.3 percent), 'construction' (12.1 percent), 'trade, hotels, transport and communication' (11.5 percent), 'financing, insurance, real estate and business services' (9.7 percent) and 'community, social and personal services' (7.8 percent).

The buoyancy in manufacturing and services sector activities and the positive business confidence and expectations suggest that the recent growth momentum in the economy is likely to be maintained in 2006-07.

Inflation remained well contained during the year 2005-06 and the year-on-year whole sale price inflation was 3.5 percent on April 1, 2006 as compared with 5.7 percent a year ago.

During the year 2005-06, India's exports continued to maintain the momentum of growth for the fourth year in succession, registering a growth of 24.7 as against 26.4 percent registered in the previous year. Imports of petroleum, oil and lubricants (POL) increased by 46.8 percent during the year 2005-06, reflecting the impact of sharp increase in international crude oil prices. Non-oil imports posted a growth of 25.6 percent during 2005-06 as compared with 33.3 percent recorded in 2004-05.

Despite an outgo of US $ 7.1 billion on account of redemption of India Millennium Deposits (IMDs) on December 29, 2005, India's foreign exchange reserves were US $ 151.6 billion as on March 31,2006; US $ 10.1 billion higher over end-March 2005 level.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

मौद्रिक और बैंकिंग गतिविधियां

वर्ष 2005–06(1 अप्रैल 2005 की तुलना में 31 मार्च 2006 को) में मुद्रा आपूर्ति (एम3) में वार्षिक आधार पर 16.2 प्रतिशत (रु.3,77,238 करोड़) की बढ़ोत्तरी हुई। पिछले वर्ष यह 12.1 प्रतिशत (रु.2,42,260 करोड़) थी। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) की कुल जमाओं में (1 अप्रैल 2005 की तुलना में 31 मार्च 2006 को) 16.9 प्रतिशत की वृद्धि (रु.3,02,534 करोड़) रही। पिछले वर्ष में यह वृद्धि 12.8 प्रतिशत (रु.1,92,269 करोड़) थी। 2005–06 के दौरान (अप्रैल 1, 2005 की तुलना में मार्च 31, 2006 को) खाद्येतर ऋण में वर्ष–दर–वर्ष वृद्धि, पिछले वर्ष में 27.5 प्रतिशत (2,21,602 करोड़) की वृद्धि की तुलना में 30.8 प्रतिशत (रु.3,42,493 करोड़) रही।

2005–06 के दौरान वित्तीय बाज़ार सामान्यतः स्थिर बने रहे हालाँकि ब्याज की दरें सभी खण्डों में सुदृढ़ बन गईं। एक दिवसीय मांग मुद्रा बाज़ार में वर्ष की अंतिम तिमाही में तंगी महसूस हुई।

वर्ष 2005–06 के दौरान भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा उठाए गए कुछ कदम निम्नानुसार हैं :

बैंक दर और नकदी रिज़र्व अनुपात क्रमशः 6.0 प्रतिशत और 5.0 प्रतिशत पर अपरिवर्तित बने रहे।

भारतीय रिज़र्व बैंक की चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ़) के तहत नियत उल्टी पुनः खरीद दर में वर्ष के दौरान तीन किस्तों में 75 आधार अंकों की वृद्धि हुई; अप्रैल 29, 2005 के प्रभाव से 4.75 प्रतिशत से 5.00 प्रतिशत तक, अक्तूबर 26, 2005 के प्रभाव से 5.00 प्रतिशत से 5.25 प्रतिशत तक और जनवरी 24, 2006 के प्रभाव से 5.25 प्रतिशत से 5.50 प्रतिशत तक। पुनः खरीद दर लगातार उल्टी पुनः खरीद दर से जुड़ी रही। उल्टी पुनः खरीद दर और पुनः खरीद दर के बीच के स्प्रैड को 100 आधार अंकों तक बनाए रखा गया और तदनुसार एलएएफ़ के तहत नियत पुनः खरीद दर में 29 अप्रैल 2005 से 5.75 प्रतिशत से 6.00 प्रतिशत तक, 26 अक्तूबर 2005 से 6.25 प्रतिशत तक वृद्धि हुई और 24 जनवरी 2006 से 6.50 प्रतिशत तक और वृद्धि हुई ।

Monetary and Banking Developments

Money supply (M3) expanded by 16.2 percent (Rs.3, 77,238 crore) on a year-on-year basis during 2005-06 (March 31, 2006 over April 1, 2005) as compared with 12.1 percent (Rs.2, 42,260 crore), recorded in the previous year. The growth in aggregate deposits (March 31, 2006 over April 1, 2005) of scheduled commercial banks (SCBs) was 16.9 percent (Rs.3,02,534 Crore) as against an increase of 12.8 percent (Rs.1,92,269 crore) in the previous year. The year-on-year increase in non-food credit during 2005-06 (March 31, 2006 over April 1, 2005) was 30.8 percent (Rs.3, 42,493 crore) as against a growth of 27.5 percent (Rs.2,21,602 crore) in the previous year.

Financial markets remained generally stable during 2005-06 although interest rates firmed up in all segments. The overnight call money market experienced tightness during the last quarter of the year.

Some of the measures initiated by Reserve Bank of India during the year 2005-06 are:

The Bank Rate and Cash Reserve Ratio remained unchanged at 6.0 percent and 5.0 percent respectively.

Fixed Reverse Repo Rate under the liquidity adjustment facility (LAF) of Reserve Bank of India increased by 75 basis points during the year in three instalments; from 4.75 percent to 5.00 percent with effect from April 29, 2005, from 5.00 percent to 5.25 percent with effect from October 26, 2005 and 5.25 percent to 5.50 percent with effect from January 24, 2006. The Repo Rate continued to be linked to the reverse Repo Rate. The spread between the Reverse Repo Rate and the Repo Rate has been retained at 100 basis points and accordingly the fixed Repo Rate under LAF increased to 6.00 percent from 5.75 percent with effect from April 29, 2005, 6.25 percent with effect from October 26, 2005 and further increased to 6.50 percent with effect from January 24, 2006.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

28 अप्रैल 2005 से जमा प्रमाण–पत्रों (सीडी) की न्यूनतम परिपक्वता अवधि में 15 दिनों से 7 दिनों तक की कमी हुई।

जिन बैंकों ने 31 मार्च 2006 तक 'व्यापार हेतु रखे गए' (एचएफ़टी) और 'बिक्री हेतु उपलब्ध' (एएफ़एस) संवर्गों के संबंध में दोनों ऋण जोखिम और बाज़ार जोखिम हेतु जोखिम भारित आस्तियों के न्यूनतम नौ प्रतिशत की नियंत्रक पूँजी बनाई रखी, उन को अनुमति है कि निवेश उतार चढ़ाव रिज़र्व (आईएफ़आर) में संपूर्ण शेष राशि को टियर I पूँजी के रूप में माने।

'मानक अग्रिम' (कृषि को और एसएमई क्षेत्रों को प्रत्यक्ष अग्रिमों के अलावा) हेतु सामान्य प्रावधानीकरण की आवश्यकता 0.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.40 प्रतिशत कर दी गई।

The minimum maturity period of Certificates of Deposit (CDs) reduced from 15 days to 7 days with effect from April 28, 2005.

Banks which have maintained a regulatory capital of at least nine percent of the risk weighted assets for both credit risk as well as market risk in respect of 'Held For Trading' (HFT) and 'Available For Sale' (AFS) categories as on March 31, 2006 are permitted to treat the entire balance in the Investment Fluctuation Reserve (IFR) as Tier I capital.

General provisioning requirement for 'standard advances' (other than direct advances to agriculture and SME sectors) has been increased to 0.40 percent from 0.25 percent.

वित्तीय विशिष्टताएं

वर्ष 2005–06 के दौरान **बैंक के निष्पादन की विशिष्टताएं** नीचे दी गई हैं:

निवल लाभ में, 2005–06 में रु.95.99 करोड़ (23.50%) की वृद्धि हुई और यह 504.48 करोड़ रुपये रहा। 2004–05 में यह 408.49 करोड़ रुपये था।

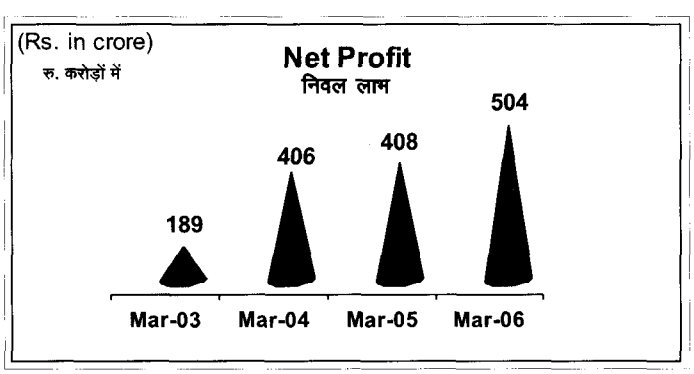

बैंक ने वर्ष 2005–06 में 958.07 करोड़ रुपये का **परिचालनगत लाभ** दर्ज किया। 2004–05 में यह 893.65 करोड़ रुपये था। लाभ में 133.85 करोड़ रुपये की यह कमी प्रमुखतः निवेशों की बिक्री के कारण हुई।

निवल ब्याज आय, 2004–05 के 1303.65 करोड़ रुपये की तुलना में 2005–06 में 206.52 करोड रुपये की वृद्धि के साथ यह रु.1510.18 करोड़ रही।

पिछले वर्ष के लिए 1.08 की तुलना में वर्ष 2005–06 के लिए **आस्तियों पर प्रतिफल** 1.16 रहा।

FINANCIAL HIGHLIGHTS

The highlights of the Bank's performance during the year 2005-06 are given below:

- **Net Profit** for the year 2005-06 improved by Rs.95.99 crore (23.50%) to Rs.504.48 crore from Rs.408.49 crore for 2004-05.
- The Bank registered an **Operating Profit** of Rs.893.65 crore for 2005-06, as against Rs.958.07 Crore for 2004-05 largely due to decline in profit on sale of investments by Rs.133.85 crore.
- **Net interest Income** increased by Rs.206.52 crore from Rs.1303.65 crore for 2004-05 to Rs.1510.18 crore for 2005-06.
- **Return on Assets** stood at 1.16 for the year 2005-06 as against 1.08 for previous year.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

पुनः संरचना के बाद **बैंक की पूँजी** 743.82 करोड़ रुपये रही। आरक्षितियां 1747.58 करोड़ रुपये रहीं।

बैंक का **'पूँजी पर्याप्तता अनुपात'** (सीआरएआर), मार्च 2005 के 14.14% की तुलना में मार्च 2006 में 13.19% रहा, प्रधानतः इसलिए कि (I) प्रतिभूतियों पर बाज़ार जोखिम के लिए पूँजी को बिक्री हेतु उपलब्ध संवर्ग में शामिल किया गया है और (II) अस्थायी प्रावधान को लिया गया।

बैंक ने, भारत सरकार को 101 करोड़ रुपये का **लाभांश अदा किया**।

कारोबार वृद्धि

सार्वभौमिक कारोबार, 31 मार्च 2005 के 53188 करोड रुपये की तुलना में 31 मार्च 2006 को 63290 करोड़ रुपये रहा और इसमें 10102 करोड़ रुपये (18.99%) की वृद्धि हुई। बैंक की देशी जमाओं में, 31 मार्च .2005 के 51453 करोड़ रुपये से 31 मार्च 2006 को 61286 करोड़ रुपये तक, 9833 करोड़ रुपये (19.11 प्रतिशत) की वृद्धि हुई।

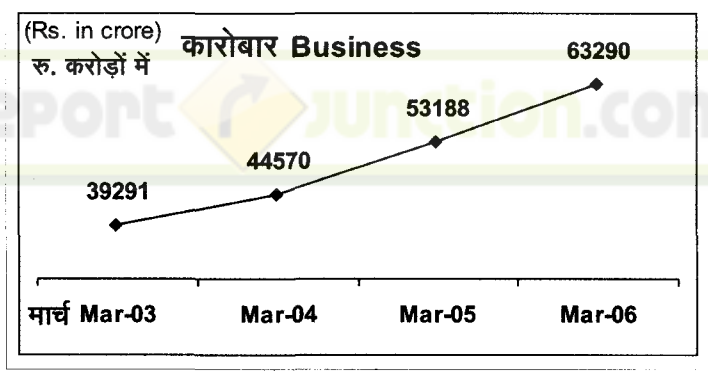

जमाएं

31 मार्च 2005 के 34808 करोड़ रुपये से 31 मार्च 2006 को 40805 करोड़ रुपये तक की वृद्धि से बैंक की सार्वभौमिक जमाओं में 5997 करोड़ रुपये (17.23%) की वृद्धि हुई। बैंक की देशी जमाओं में 5860 करोड़ रुपये (17. 19%) की वृद्धि से यह 31 मार्च 2005 को 34081 करोड़ रुपये से 31 मार्च 2006 को 39941 करोड़ रुपये हो गयी।

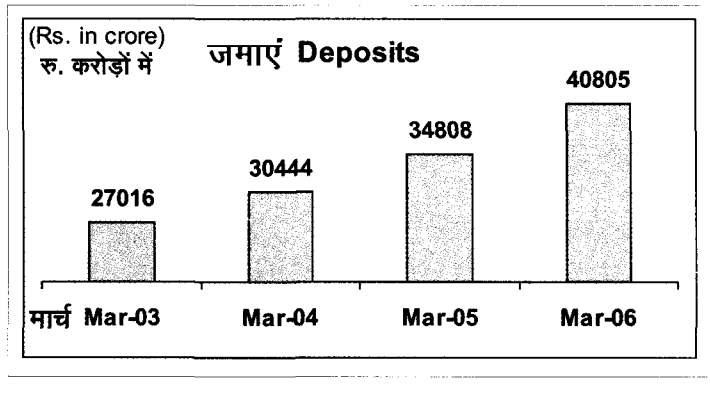

- **Bank's Capital** stood at Rs. 743.82 Crore after restructuring. The reserves stood at Rs. 1747.58 Crore.
- **Capital Adequacy Ratio** (CRAR) of the Bank stood at 13.19 % for March 2006 as against 14.14% for March 2005 mainly because of (I) maintenance of capital for market risk on securities included in the available for sale category also (II) treatment of floating provision.
- **The Bank paid a dividend** of Rs.101 Crore to Government of India.

BUSINESS GROWTH

Global Business increased by Rs.10102 crore (18.99%) to Rs.63290 crore as on March 31, 2006 from Rs.53188 crore as on March 31, 2005. Domestic Business of the Bank increased by Rs. 9833 crore (19.11%) to Rs.61286 crore as on March 31,2006 from Rs. 51453 crore as on March 31,2005.

Deposits

Global Deposits of the Bank increased by Rs.5997 crore (17.23%) to Rs.40805 Cr as on March 31, 2006 from Rs.34808 crore as on March 31, 2005. Domestic Deposits of the Bank increased by Rs.5860 crore (17.19%)to Rs. 39941 Cr as on March 31, 2006 from Rs.34081 crore as on March 31, 2005.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

पिछले वर्ष के दौरान 550 करोड़ रुपये (24.20%) की वृद्धि की तुलना में 31 मार्च 2006 को 342 करोड़ रुपये की वृद्धि के कारण चालू जमाएं 3165 करोड़ रुपये रहीं।

बचत बैंक जमाओं में पिछले वर्ष के दौरान दर्ज 1407 करोड़ रुपये (17.88%) की वृद्धि की तुलना में इस वर्ष 1728 करोड़ रुपये (18.63%) की वृद्धि हुई है।

सावधि जमाओं में पिछले वर्ष के दौरान दर्ज 2516 करोड़ रुपये (12.75%) की वृद्धि की तुलना में 3654 करोड़ रुपये (16.42%) की वृद्धि हुई है।

जमाओं की औसत लागत (देशी) में पिछले वर्ष की तुलना में 4.86% से 4.84% तक की साधारण कमी हुई है।

प्रति कर्मचारी कारोबार 31 मार्च 2005 में 245.73 लाख रुपये से बढ़कर 31 मार्च 2006 में 294.73 लाख रुपये हो गया है ।

Current Deposits grew by Rs.342 crore (12.11%) to Rs.3165 crore as on 31.03.2006 as compared to a growth of Rs.550 crore (24.20%) during the last year.

- Savings Bank Deposits grew by Rs. 1728 crore (18.63%) as against an increase of Rs.1407 crore (17.88%) recorded during the last year.
- Term Deposits grew by Rs. 3654 crore (16.42%) as against an increase of Rs.2516 crore(12.75%) recorded during the last year.
- Average Cost of Deposits (Domestic) has marginally come down to 4.84% from 4.86% during the last year.
- Business Per Employee improved to Rs.294.73 lakhs for March 31, 2006 from Rs.245.73 lakhs for March 31, 2005.

ReportJunction.com

ऋण

निवल अग्रिम 31 मार्च 2005 के 18380 करोड रुपये से 4105 करोड़ रुपये (22.33 प्रतिशत) की वृद्धि के साथ 31 मार्च 2006 को 22485 करोड़ रुपये हो गया। गत वर्ष के दौरान देशी ऋण में 4330 करोड़ रुपये (33.20 प्रतिशत) की वृद्धि की तुलना में 31 मार्च 2006 में 3973 करोड रुपये (22.87%) की वृद्धि रही।

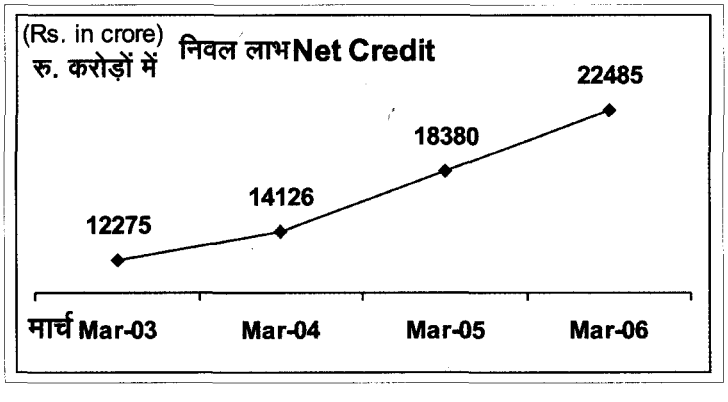

देशी गैर खाद्य ऋण 31 मार्च 2005 के 16421 करोड़ रुपये से 31 मार्च 2006 तक 4063 करोड़ रुपये (24.74 प्रतिशत) से बढ़कर 20484 करोड़ रुपये हो गया।

अग्रिमों (घरेलू) पर प्रतिलाभ वर्ष 2004–05 के 8.89% की तुलना में वर्ष 2005–06 में 8.92% रहा।

Credit

Net advances increased by Rs.4105 crore (22.33%) to Rs.22485 crore as on March 31, 2006 from Rs.18380 crore as on March 31, 2005. Domestic Credit increased by Rs. 3973 crore (22.87%) to Rs. 21343 crore as on March 31, 2006 against a growth of Rs. 4330 crore (33.20%) during the last year.

Domestic Non food Credit increased by Rs. 4063 crore (24.74%)to Rs. 20484 crore as on March 31, 2006 from Rs. 16421 crore as on March 31, 2005.

Return on Advances (Domestic) was higher at 8.92% for 2005-06 as against 8.89% for the year 2004-05.

www.reportjunction.com